॥ श्री द्वारकेशो जयति ॥

तृतीय गृह (पीठ)

तृतीय गृहाधीश्वर (पीठाधीश्वर) पूज्यपाद गोस्वामी १०८

श्री वागीशकुमारजी महाराजश्री

(कांकरोली) की आज्ञानुसार प्रकाशित

व्रतोत्सव

(टिप्पणी)

* विक्रम संवत् 2083
* सिद्धार्थि नाम संवत्सरे
* शाके 1948
* पराभव नाम संवत्सरे

वल्लभाब्द 548-549 सन् 2026-2027

आपश्री के श्रीचरणोमें सादर दंडवत् प्रणाम

तृतीय पीठ कांकरोली अंतर्गत सभी मंदिर, संस्थाएँ एवं सेवकगण सहित
श्री वाक्पति फाउन्डेशन आपको नतमस्तक कोटी कोटी प्रणाम करता है ।

।। श्री द्वारकेशो जयति ।।

।। श्रीमद् आचार्यचरणकमलेभ्यो नमः।।

व्रतोत्सव

(टिप्पणी)

सन् 2026-2027

टिप्पणी निर्माण – संपादन

श्री केशव साँचीहर, काँकरोली

नाम :

– सर्वाधिकार सुरक्षित

टिप्पणी प्राप्ति स्थान

पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ प्रन्यास

श्री द्वारकाधीशजी मन्दिर, मंदिर मार्ग,काँकरोली–313324 (राजस्थान)
फोन : (02952) 230001, 230256

श्री राजाधिराज मन्दिर

श्री राजाधिराज मार्ग, मथुरा – 281001 (उत्तरप्रदेश)
फोन : (0565) 2406372

श्री बैठक मन्दिर

केवडा बाग,मदनझांपा रोड,बडौदा–390 001 (गुजरात)
फोन : (0265) 2434955

श्री द्वारकाधीश मन्दिर

बउआकी पोल, रायपुर चकला, अमदावाद–38001 (गुजरात)
फोन : (079) 22141537

श्री द्वारकाधीश सुखधाम

एडी–१, वसुंधरा सोसायटी, उमा चार रास्ता के पास,
वाघोडिया रोड, बडौदा–390019. फोन : (0265) 2524344

श्री बैठक मन्दिर

मोटा तळाव पासे,श्रीवल्लभाचार्यजी चोक,आणंद – (गुजरात)
फोन : (02692) 250712

श्री द्वारकाधीश मंदिर

नीचो भाटवाडो, वैष्णव वणिक वाडी के सामने,
महेसाणा–384001. (उ.गु.) फोन : (02762) 232222

चैत्र शुक्ल पक्ष (गुज. चैत्र सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 548 मार्च-अप्रैल-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंतऋतु : रवि उत्तरायणे
२	शुक्र	20	--
३	शनि	21	प्रथम गणगौर ।
४	रवि	22	द्धितीय गणगौर ।
५	सोम	23	तृतीय गणगौर ।
६	मंगल	24	षष्ठपुत्र श्री यदुनाथजी को उत्सव (1615), श्री यमुनाजी को उत्सव ।
७	बुध	25	--
८	गुरु	26	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (नंद महोत्सव वाले) (1835), पाटोत्सव श्री द्धारकाधीशजी, बैठक मंदिर, बडौदा ।
९	शुक्र	27	श्री रामनवमी व्रत, उत्सव श्री व्रजभूषणजी (1636) श्री बालकृष्णलालजी के तृतीय लालजी ।
१०	शनि	28	श्री रामनवमी व्रत की पारणा सुबह ८:४५ मिनिट के पूर्व
११	रवि	29	कामदा एकादशी व्रत । श्रीमहाप्रभुजी के उत्सव की बधाई (15 दिन)
१२	सोम	30	--
१३	मंगल	31	--
१४	बुध	01	**अप्रैल ।**
१५	गुरु	02	चैत्री पूर्णिमा, श्रीद्धारकाधीशजी का छप्पनभोग उत्सव (1981) श्री भाभीजी महाराज कृत, वैशाख स्नानारम्भ ।

वैशाख कृष्ण पक्ष (गुज. चैत्र वद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 548-549 अप्रैल-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंतऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	03	--
२	शनि	04	--
३	रवि	05	--
४	सोम	06	श्री महाप्रभुजी के उत्सव की बड़ी बधाई (8 दिन)।
५	मंगल	07	--
६	बुध	08	जन्मदिन गो. श्री त्रिलोकीभूषणजी (श्री शिशिरकुमारजी) काँकरोली - बुरहानपुर ।
७	गुरु	09	पाटोत्सव श्री विठ्ठलनाथजी, नाथद्वारा। उत्सव श्रीद्वारकाधीशजी के साथ श्री मथुराधीशजी बाग में बिराजे (1966)
८	शुक्र	10	--
९	शनि	11	--
१०	रवि	12	पाँच स्वरूपोत्सव ति. श्री गोवर्धनलालजी कृत ।
११	सोम	13	महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यचरण को उत्सव (1535), श्री वल्लभाब्द 549 प्रारम्भ, वरुथिनी एकादशी व्रत ।
१२	मंगल	14	मेष संक्रान्ति, श्री..प्रभु को सतुआ गोपीवल्लभ अथवा राजभोग में आरोगावे । पुण्यकाल प्रातः सूर्योदय से दोपहर 1:31 तक का ।
१३	बुध	15	श्री पुरुषोत्तमजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
१४	गुरु	16	--
३०	शुक्र	17	दर्श-अमावास्या। विशेष :- प्रात 7:31 से प्रात 9:31 तक विशेष पुण्यकाल रहेगा

वैशाख शुक्ल पक्ष (गुज. वैशाख सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 अप्रैल-मई-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत-ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	18	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी (1847), छप्पनभोग उत्सव-श्री श्रीनाथजी, श्री द्वारकाधीशजी के साथ बिराजे (2050) ति. गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज कृत ।
२	रवि	19	--
३	सोम	20	चतुर्थी को क्षय । अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा, जलकुम्भ दान, त्रेतायुगादि उत्सव श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज गादी बिराजे (1976) । जन्मदिन गो. श्री पीताम्बरजी (श्री परागकुमारजी) कांकरोली - सूरत । चतुर्थी को क्षय होयवे सूं आज । ग्रीष्म ऋतु प्रारंभ ।
५	मंगल	21	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (2055), ति. गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज कृत, चि. वेदांतकुमारजी एवं चि. सिद्धान्तकुमारजी के यज्ञोपवीत को, पाटोत्सव श्री नटवरलालजी अहमदाबाद ।
६	बुध	22	--
७	गुरु	23	--
८	शुक्र	24	--
९	शनि	25	--
१०	रवि	26	--
११	सोम	27	मोहिनी एकादशी व्रत । श्रीद्वारकेशजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
१२	मंगल	28	गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराजश्री को गादी उत्सव (2037) ।
१३	बुध	29	--
१४	गुरु	30	श्री नृसिंह जयंति । उत्सव श्री द्वारकेशजी (1630) श्री बालकृष्णजी के प्रथम लालजी ।
१५	शुक्र	1	**मई** । पूर्णिमा, वैशाख स्नान समाप्ति । अन्वाधान ।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गुज. वैशाख वद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 मई-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	2	--
२	रवि	3	चार स्वरुपोत्सव ति. श्री दाउजी महाराज कृत (1966)। पाटोत्सव श्रीकल्याणरायजी, बडौदा।
३	सोम	4	श्री प्रभु के फूल के शृंगार को प्रारंभ।
४	मंगल	5	चतुर्थी वृद्धि तिथि।
४	बुध	6	--
५	गुरु	7	श्रीद्धारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (1976) श्री भाभीजी महाराज कृत।
६	शुक्र	8	--
७	शनि	9	--
८	रवि	10	--
९	सोम	11	श्रीद्धारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (2041) ति. गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत।
१०	मंगल	12	--
११	बुध	13	अपरा एकादशी व्रत।
१२	गुरु	14	--
१३	शुक्र	15	चतुर्दशी क्षय तिथि। जन्मदिन गो. चि. व्रजाभरणजी (चि. कपिलकुमारजी) काँकरोली - बुरहानपुर।
३०	शनि	16	भावुका अमावास्या। अन्वाधान।

अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष(गुज.अधिक जेठ सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 **मई-2026**

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्मऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	17	पुरुषोत्तम मास आरंभ।
२	सोम	18	--
३	मंगल	19	--
४	बुध	20	--
५	गुरु	21	--
६	शुक्र	22	सप्तमी को क्षय।
८	शनि	23	--
९	रवि	24	--
१०	सोम	25	सूर्य रोहिणी में-आज सूं दोपहर 3:38 मिनिट सुं ले के अधिक ज्येष्ठ कृ. ८ (दि. 08-06-2026) पर्यन्त श्रीप्रभु के विशेष शीतोपचार करने।
११	मंगल	26	एकादशी वृद्धि।
११	बुध	27	कमला एकादशी व्रत।
१२	गुरु	28	
१३	शुक्र	29	--
१४	शनि	30	--
१५	रवि	31	पूर्णिमा।

अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गुज.अधिक जेठ वद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 **जून-2026**

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्मऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	1	**जून**
२	मंगल	2	--
३	बुध	3	--
४	गुरु	4	--
५	शुक्र	5	--
६	शनि	6	--
७	रवि	7	--
८	सोम	8	--
९	मंगल	9	--
१०	बुध	10	--
११	गुरु	11	कमला एकादशी व्रत।
१२	शुक्र	12	--
१३	शनि	13	--
१४	रवि	14	--
३०	सोम	15	पुरुषोत्तम मास समाप्ति। सोमवती अमावास्या। प्रतिपदा को क्षय।

निज ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (गुज. निज जेठ सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 जून-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म/वर्षाऋतु : रवि दक्षिणायने
२	मंगल	16	--
३	बुध	17	--
४	गुरु	18	श्री व्रजनाथजी के उत्सव की बधाई (4 दिन)।
५	शुक्र	19	श्री श्रीनाथजी के नाव को मनोरथ। जन्मदिन ति. गो. श्री. पुरुषोत्तमजी (श्री वागीशकुमारजी) कांकरोली (2022)
६	शनि	20	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी (1644) श्री बालकृष्णजी के षष्ठ लालजी।
७	रवि	21	उत्सव श्री व्रजनाथजी (1788)। दक्षिणायनारंभ। वर्षाऋतु प्रारंभ।
८	सोम	22	--
९	मंगल	23	--
१०	बुध	24	गंगा दशहरा, श्रीयमुनाजी को उत्सव
११	गुरु	25	निर्जला एकादशी व्रत। पाटोत्सव - श्रीराजाधिराज प्रभु, मथुरा।
१२	शुक्र	26	--
१३	शनि	27	स्नान को जल भरनो, अधिवासन करनो।
१४	रवि	28	स्नानयात्रा। ज्येष्ठाभिषेक प्रातः मंगला के बाद। आज दिन भर ज्येष्ठा नक्षत्र है। जन्मदिन गो. चि. व्रजालंकारजी (चि. नैमिषकुमारजी) कॉंकरोली-सूरत।
१५	सोम	29	--

निज आषाढ़ कृष्ण पक्ष (गुज. निज जेठ वद)   संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549   **जून-जुलाई-2026**

तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षाऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	30	प्रतिपदा वृद्धि तिथि ।
१	बुध	1	**जुलाई ।**
२	गुरु	2	--
३	शुक्र	3	--
४	शनि	4	--
५	रवि	5	--
६	सोम	6	श्रीद्वारकाधीशजी को खसखाना को मनोरथ, उत्सव श्री द्वारकेशजी (1964) ।
७	मंगल	7	--
८	बुध	8	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (2017) गो. श्री व्रजेशकुमारजी के विवाहको, गो. श्री व्रजभूषणलालजी महाराज कृत ।
९	गुरु	9	--
१०	शुक्र	10	एकादशी को क्षय ।
१२	शनि	11	योगिनी एकादशी व्रत ।
१३	रवि	12	--
१४	सोम	13	--
३०	मंगल	14	दर्श अमावास्या । अन्वाधान ।

आषाढ़ शुक्ल पक्ष (गुज. आषाढ़ सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 जुलाई-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	15	रथयात्रा उत्सव, पुष्य नक्षत्र आज होयवे सूं।
२	गुरु	16	--
३	शुक्र	17	चतुर्थी को क्षय।
५	शनि	18	श्रीद्धारकाधीश प्रभु (कांकरोली) का पाटोत्सव (1720)।
६	रवि	19	कसुम्बा छठ्ठ, षष्ठी पंडगू, श्री लक्ष्मण भट्टजी को उत्सव।
७	सोम	20	--
८	मंगल	21	--
९	बुध	22	नवमी की वृद्धि।
९	गुरु	23	--
१०	शुक्र	24	बैंगन दशमी।
११	शनि	25	देवशयनी एकादशी व्रत, चातुर्मास्य नियमारम्भ। फूलों के श्रृंगार पूर्ण।
१२	रवि	26	--
१३	सोम	27	--
१४	मंगल	28	--
१५	बुध	29	व्यास पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, पर्वात्मकोत्सव।

श्रावण कृष्ण पक्ष (गुज. आषाढ़ वद) संवत् 2083

श्री वल्लभाब्द 549 जुलाई-अगस्त-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षाऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	30	हिन्दौरा आरम्भ ।
२	शुक्र	31	--
३	शनि	1	**अगस्त ।**
४	रवि	2	जन्माष्टमी की बधाई काँकरोली (1 मास 4 दिन), श्री गोकुलचंद्रमाजी को पाटोत्सव कामवन, तथा श्री गोकुलनाथजी को पाटोत्सव गोकुल ।
५	सोम	3	--
६	मंगल	4	उत्सव श्री द्वारकाधीशजी के साथ श्री नवनीतप्रियाजी एवं श्री विठ्ठलनाथजी बाग में बिराजे (2042) ति. गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत ।
७	बुध	5	--
८	गुरु	6	जन्माष्टमी की बधाई, नाथद्वारा ।
९	शुक्र	7	श्री बालकृष्णलालजी के उत्सव की बधाई (4 दिन)
१०	शनि	8	--
११	रवि	9	कामिका एकादशी व्रत ।
१२	सोम	10	त्रयोदशी को क्षय । उत्सव श्री बालकृष्णलालजी (1924) तथा आप द्वारा कृत श्रीद्वारकाधीशजी को दुहेरो मनोरथ । (त्रयोदशी को क्षय होयवे सूं आज)
१४	मंगल	11	--
३०	बुध	12	दर्श अमावास्या । अन्वाधान । हरियाली अमावास्या । खग्रास सूर्यग्रहण (भारत में नहीं दिखेगो सो पालनो नहीं हैं)

श्रावण शुक्ल पक्ष (गुज. श्रावण सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 अगस्त-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव शरदऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	13	--
२	शुक्र	14	--
३	शनि	15	ठकुरानी त्रीज, मधुश्रवा तृतीया।
४	रवि	16	--
५	सोम	17	नागपंचमी, श्रीजी की ऊर्ध्वभुजा के दर्शन।
६	मंगल	18	--
७	बुध	19	उत्सव श्री द्वारकानाथजी (1682)।
८	गुरु	20	--
९	शुक्र	21	सप्त स्वरूपोत्सव ति. श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत (सं. 2023)। पाटोत्सव श्री लाडिलेशजी, सूरत।
१०	शनि	22	--
११	रवि	23	शरदऋतु प्रारंभ।
१२	सोम	24	पुत्रदा एकादशी व्रत, पवित्रा एकादशी, श्रीनकूं पवित्रा शृंगार में धरावें।
१३	मंगल	25	त्रयोदशी की वृद्धि। पवित्रा बारस - गुरुनकूं पवित्रा धरावें।
१३	बुध	26	ऋक्-हिरण्यकेशी श्रावणी।
१४	गुरु	27	--
१५	शुक्र	28	श्रावणी पूर्णिमा। रक्षाबंधन, प्रातः श्रृंगार में (9:47) सूं पूर्व श्रीनकूं रक्षा धरावें। जन्माष्टमी की बड़ी बधाई। उत्सव श्रीद्वारकाधीशजी के साथ श्रीगोकुलचन्द्रमाजी, श्रीमदनमोहनजीने रक्षा धरी काँकरोली (सं.2023)। ऋक्-यजुः-अथर्व-हिरण्यकेशी तैत्तिरीय श्रावणी। खंडग्रास चंद्रग्रहण (भारत में नहीं दिखेगो सो पालनो नहीं है)

तिथि	वार	दि.	उत्सव शरदऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शनि	29	पाँच स्वरुपोत्सव - काँकरोली (सं. 2024)।
२	रवि	30	--
३	सोम	31	हिन्दौरा विजय संध्या समय। कज्जली तीज।
४	मंगल	1	**सितंबर।**
६	बुध	2	पंचमी को क्षय। श्री व्रजभूषणजी के उत्सव की बधाई (4 दिन)।
७	गुरु	3	शयन में षष्ठी को उत्सव, श्री विष्णुस्वामी प्राकट्य उत्सव।
८	शुक्र	4	जन्माष्टमी व्रत, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव। गो. श्री वागीशकुमारजी महाराजश्री गादी बिराजे (सं. 2080) दि. 07-09-2023
९	शनि	5	नन्द महोत्सव, उत्सव श्री व्रजभूषणजी (आसोटीया वाले) (1700)।
१०	रवि	6	--
११	सोम	7	अजा एकादशी व्रत।
१२	मंगल	8	--
१३	बुध	9	छठ्ठी को पलना।
१४	गुरु	10	--
३०	शुक्र	11	कुशग्रहणी-पीठोरी अमावास्या।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष (गुज. भादरवा सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 **सितंबर-2026**

तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद् ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शनि	12	श्री राधाष्टमी की बधाई (8 दिन)।
२	रवि	13	उत्सव श्री गिरिधरलालजी (वचनामृत वाले) (1898), जन्मदिन गो चि. रणछोडरायजी (चि. अद्वयकुमारजी), कांकरोली-बुरहानपुर। सामवेदीन की श्रावणी।
३	सोम	14	केवडा त्रीज। गणेश चतुर्थी।
४	मंगल	15	--
५	बुध	16	ऋषि पंचमी, द्वितीय स्वरूपोत्सव, गुप्त उत्सव।
६	गुरु	17	--
७	शुक्र	18	--
८	शनि	19	श्री राधाष्टमी।
९	रवि	20	उत्सव श्री गिरिधरजी (चतुर्भुज स्वरुपवाले) (1854)। श्रीमद् भागवत सप्ताह प्रारंभ।
१०	सोम	21	--
११	मंगल	22	परिवर्तिनी (दान) एकादशी। उत्सव श्री व्रजालंकारजी (1641) श्री बालकृष्णजी के पंचम लालजी एवं श्री पुरुषोत्तमजी लेखवाले (1714)। श्री वामन जयंति।
१२	बुध	23	--
१३	गुरु	24	--
१४	शुक्र	25	अनन्त चतुर्दशी।
१५	शनि	26	पूर्णिमा। श्रीमद् भागवत सप्ताह समाप्ति, साँझी को प्रारम्भ।

आश्विन कृष्ण पक्ष (गुज. भादरवा वद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 सितंबर-अक्टूबर-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद्ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	27	प्रतिपदा श्राद्ध । महालय श्राद्ध पक्ष आरंभ ।
२	सोम	28	द्वितीया को श्राद्ध ।
३	मंगल	29	तृतीया को श्राद्ध ।
४	बुध	30	चतुर्थी को श्राद्ध, पंचमी श्राद्ध ।
५	गुरु	01	**अक्टूबर** । षष्ठी को श्राद्ध । उत्सव श्री हरिरायजी महाप्रभु (1647) । तृतीयपुत्र श्री बालकृष्णजी के उत्सव की बधाई (8 दिन) ।
६	शुक्र	02	सप्तमी को श्राद्ध ।
७	शनि	03	अष्टमी को क्षय । अष्टमी को श्राद्ध । श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी के पुत्र श्री पुरुषोत्तमजी को उत्सव (1587) ।
९	रवि	04	नवमी को श्राद्ध । अविधवा नवमी । श्री गोपीनाथजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
१०	सोम	05	दशमी को श्राद्ध ।
११	मंगल	06	इन्दिरा एकादशी व्रत । एकादशी को श्राद्ध ।
१२	बुध	07	द्वादशी को श्राद्ध । उत्सव श्री गोपीनाथजी (1567) ।
१३	गुरु	08	त्रयोदशी श्राद्ध । उत्सव तृतीय पुत्र श्री बालकृष्णलालजी (1606) ।
१४	शुक्र	09	चतुर्दशी श्राद्ध । शस्त्रहतन को श्राद्ध ।
३०	शनि	10	सर्वपितृ दर्श अमावास्या, अमावास्या श्राद्ध, साँझी की समाप्ति, कोट की आरती ।

विशेष : पूर्णिमा को श्राद्ध द्वादशी, ९ सोमवार, ५ शुक्रवार
अमावस्या को कोई भी दिन कर सकें ।

आश्विन शुक्ल पक्ष (गुज. आसो सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 अक्टूबर-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद्/हेमन्त ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	11	नवरात्रि प्रारम्भ, अंकुरारोपण । मातामह श्राद्ध जन्मदिन गो. चि प्रणयकुमारजी मथुरा ।
२	सोम	12	--
३	मंगल	13	--
४	बुध	14	--
५	गुरु	15	--
६	शुक्र	16	सरस्वती आवाहन ।
७	शनि	17	सप्तमी की वृद्धि । सरस्वती पूजन ।
७	रवि	18	--
८	सोम	19	--
९	मंगल	20	जन्मदिन गो. श्री रविकुमारजी, काँकरोली । सरस्वती विसर्जन प्रातः 6.47 के पश्चात् । विजयादशमी, (दशहरा), अंकुरार्पण भोग-सन्ध्या में, श्री..जीने प्रति वर्ष आज के दिन काँकरोली पधारने को वचन दियो ।
१०	बुध	21	--
११	गुरु	22	पाशांकुशा एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	23	हेमन्त ऋतु प्रारंभ ।
१३	शनि	24	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (1942) श्री बालकृष्णलालजी महाराज कृत, पाटोत्सव श्री बालकृष्णजी सूरत ।
१४	रवि	25	शरद पूर्णिमा-रासोत्सव ।
१५	सोम	26	कार्तिक स्नान आरंभ । दिन की शरद ।

कार्तिक कृष्ण पक्ष (गु. आसो वद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 अक्टूबर-नवम्बर-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंतऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	27	श्रीगिरिधरजी के उत्सव की बधाई (४ दिन)। द्वितीया को क्षय
३	बुध	28	--
४	गुरु	29	--
५	शुक्र	30	उत्सव श्री गिरिधरजी (भवाईवाले) (1745)।
६	शनि	31	--
७	रवि	1	**नवम्बर** । प्रथम नोमहला, गादी उत्सव श्री बालकृष्णलालजी (1936)।
८	सोम	2	द्वितीय नोमहला।
९	मंगल	3	तृतीय नोमहला।
१०	बुध	4	एकादशी को शृंगार।
११	गुरु	5	रमा एकादशी व्रत, दीपावली की बधाई। गोवत्स द्वादशी। द्वादशी को शृंगार।
१२	शुक्र	6	त्रयोदशी को शृंगार।
१३	शनि	7	धन त्रयोदशी। चतुर्दशी को शृंगार।
१४	रवि	8	रूप चतुर्दशी, अभ्यंग स्नान। दीपावली, लक्ष्मी पूजन, कानजगाई। दीपावली को शृंगार। गोकर्ण जागरण।
३०	सोम	9	सोमवती अमावास्या। गोवर्धन पूजा, अन्नकूटोत्सव। अन्नकूट को शृंगार। (गुजराती वर्ष वि. सं. 2082 समाप्त)

कार्तिक शुक्ल पक्ष (गुज. कार्तक सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 **नवम्बर-2026**

तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमन्तऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	10	गुर्जराणां नूतनवर्ष सं. 2083 प्रारंभ।
२	बुध	11	यमद्धितीया, भाईदूज।
३	गुरु	12	--
४	शुक्र	13	--
५	शनि	14	लाभ पंचमी।
६	रवि	15	उत्सव श्रीमदनमोहनजी (कामवन) काँकरोली पधारे (2039)।
७	सोम	16	--
८	मंगल	17	गोपाष्टमी।
९	बुध	18	नवमी वृद्धि तिथि। अक्षयनवमी, कुष्माण्डदान, कृतयुगादि, उत्सव श्री व्रजनाथजी (1632), श्रीबालकृष्णजी के द्धितीय लालजी, छप्पनभोग उत्सव श्रीद्धारकाधीशजी को गोस्वामी श्रीव्रजेशकुमारजी महाराज कृत संवत (सं. 2049), छप्पनभोग उत्सव-श्रीद्धारकाधीशजी, श्रीमदनमोहनजी, श्रीलाडिलेशजी एवं श्री मथुराधीशजी साथ बिराजे विठ्ठल विलास बाग में ति. गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत (2064) (दि. 19-11-2007)।
९	गुरु	19	--
१०	शुक्र	20	एकादशी को क्षय। उत्सव श्री बालकृष्णजी (सूरत) काँकरोली पधारे (२०४२)।
१२	शनि	21	देवप्रबोधिनी (तुलसी विवाह) 11 व्रत। देवोत्थापन सायं भोग संध्या में। उत्सव प्रथम पुत्र श्री गिरिधरजी (1597) एवं पंचम पुत्र श्रीरघुनाथजी (1611)। एकादशी को शृंगार।
१३	रवि	22	जन्मदिन गो. चि. श्री विठ्ठलनाथजी (चि. सिद्धान्तकुमारजी) काँकरोली (2050)। द्धादशी को शृंगार .
१४	सोम	23	त्रयोदशी को शृंगार .
१५	मंगल	24	चार स्वरूपोत्सव ति. श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत, कार्तिक स्नान समाप्ति।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (गुज. कार्तक वद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 नवम्बर-दिसंबर-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमन्तऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	25	गोपमासारंभ, व्रतचर्या ।
२	गुरु	26	--
३	शुक्र	27	छः स्वरूपोत्सव ति. श्री दाऊजी महाराज कृत । जन्मदिन गो. श्री द्वारकेशलालजी, बडौदा । चतुर्थी को क्षय होय वे सूं आज ।
५	शनि	28	श्री गिरिधरलालजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
६	रवि	29	--
७	सोम	30	--
८	मंगल	1	**दिसंबर** । उत्सव द्वितीय पुत्र श्री गोविन्दरायजी (1599) एवं उत्सव श्री गिरिधरलालजी (आसोटीया वाले) (1662)
९	बुध	2	श्रीद्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (1994) श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज कृत, जन्मदिन गो. चि. ब्रजभूषणजी (चि. वेदान्तकुमारजी) काँकरोली (2046) ।
१०	गुरु	3	--
११	शुक्र	4	उत्पत्ति एकादशी व्रत । श्रीगोकुलनाथजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
१२	शनि	5	--
१३	रवि	6	उत्सव सप्तमपुत्र श्री घनश्यामजी (1628) ।
१४	सोम	7	उत्सव श्री गोकुलनाथजी (1821)
३०	मंगल	8	दर्श अमावास्या । अन्वाधान ।

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (गुज. मागशर सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 दिसंबर-2026

तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमन्त/शिशिरऋतु : रवि दक्षिणायने/उत्तरायणे
१	बुध	9	प्रतिप्रदा की वृद्धि।
१	गुरु	10	--
२	शुक्र	11	2048 में श्री कल्याणरायजी बैठक मंदिर पधारे छप्पनभोग आरोगे श्री व्रजेशकुमारजी कृत, उत्सव श्री ब्रजभूषणजी (नीतिवाले) (1765), छप्पनभोग उत्सव श्रीद्वारकाधीशजी, श्रीनवनीतप्रियाजी, श्रीविठ्ठलनाथजी, श्रीकल्याणरायजी, श्रीमथुराधीशजी विठ्ठल विलास बाग में पधारे ति. गोस्वामी व्रजेशकुमारजी महाराज कृत (2065) (दि. 29-11-2008)।
३	शनि	12	--
४	रवि	13	उत्सव श्री मथुराधीशजी काँकरोली पधारे (1965)
५	सोम	14	पाटोत्सव श्री मदनमोहनजी, कामवन।
६	मंगल	15	--
७	बुध	16	उत्सव चतुर्थ पुत्र श्री गोकुलनाथजी (1608) श्री गुसांईजी के उत्सव की बधाई (17 दिन)। धनुर्मास आरंभ। (प्रातः 10:24 से)
८	गुरु	17	सप्तस्वरुपोत्सव ति. श्री गोवर्धनेशजी मा. कृत।
९	शुक्र	18	--
१०	शनि	19	--
११	रवि	20	मोक्षदा एकादशी व्रत।
१२	सोम	21	शिशिर ऋतु प्रारंभ।
१३	मंगल	22	--
१४	बुध	23	पूर्णिमा क्षय तिथि। श्री श्रीनाथजी को छप्पनभोग उत्सव, श्री बलदेवजी को उत्सव कितने माने हैं, गोपमास समाप्ति।

पौष कृष्ण पक्ष (गुज. मागशर वद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 दिसंबर-2026-जनवरी-2027

तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिरऋतु : रवि उत्तरायणे
१	गुरु	24	पाटोत्सव श्री लाडिलेशजी, बुरहानपुर।
२	शुक्र	25	श्री गुसांईजी के उत्सव की बड़ी बधाई (8 दिन)
३	शनि	26	--
४	रवि	27	--
५	सोम	28	--
६	मंगल	29	--
७	बुध	30	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (1895) श्री पुरुषोत्तमजी कृत एवं छप्पनभोग उत्सव (2081) श्री वागीशकुमारजी कृत (दि. 22-12-2024)
८	गुरु	31	--
९	शुक्र	1	**जनवरी-2027** । श्रीमत्प्रभुचरण श्री विठ्ठलनाथजी (गुसांईजी) को प्रादुर्भाव महोत्सव (1572)।
१०	शनि	2	--
११	रवि	3	सफला एकादशी व्रत। श्री विठ्ठलनाथजी के उत्सव की बधाई (4 दिन)।
१२	सोम	4	--
१३	मंगल	5	--
१४	बुध	6	उत्सव श्री विठ्ठलनाथजी (1811)।
३०	गुरु	7	दर्श अमावास्या। जन्मदिन गो. चि. विशालकुमारजी नाथद्वारा।

पौष शुक्ल पक्ष (गुज. पोष सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 जनवरी-2027

तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	8	--
२	शनि	9	--
३	रवि	10	तृतीया की वृद्धि। छप्पनभोग उत्सव, गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराजश्री की षष्ठीपूर्ति को बडौदा में 100 स्वरूप को (सं. 2056)।
३	सोम	11	--
४	मंगल	12	--
५	बुध	13	जन्मदिन गो. संजीवकुमारजी, काँकरोली।
६	गुरु	14	धनुर्मास समाप्ति, भोगी उत्सव। शिशिर ऋतु आरंभ।
७	शुक्र	15	गो. श्री व्रजेशकुमारजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) मकर संक्रान्ति। तिलवा गोपीवल्लभ अथवा राजभोग में आरोगावे। पुण्यकाल सूर्योदय से लेकर दोपहर 3:31 तक।
८	शनि	16	--
९	रवि	17	--
१०	सोम	18	उत्सव गो. श्री बालकृष्णलालजी महाराज (श्री व्रजेशकुमारजी) कांकरोली (1996)।
११	मंगल	19	द्वादशी को क्षय। पुत्रदा एकादशी व्रत।
१३	बुध	20	--
१४	गुरु	21	--
१५	शुक्र	22	माघस्नानारंभ, अन्वाधान।

माघ कृष्ण पक्ष (गुज. पोष वद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 जनवरी-फरवरी-2027

तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	23	--
२	रवि	24	--
३	सोम	25	चतुर्थी क्षय तिथि । गुप्त उत्सव, उत्सव श्रीगोकुलचन्द्रमाजी (कामवन) कांकरोली पधारे (ति. गो. श्रीव्रजेशकुमारजी कृत-सं. 2070) चतुर्थी को क्षय होय वे सूं आज ।
५	मंगल	26	--
६	बुध	27	--
७	गुरु	28	--
८	शुक्र	29	--
९	शनि	30	उत्सव श्री विठ्ठलनाथजी (श्री काकाजी) (1970) काँकरोली मथुरा।
१०	रवि	31	दशमी की वृद्धि ।
१०	सोम	1	**फरवरी ।**
११	मंगल	2	श्री मदनमोहनजी - कामवन, काँकरोली पधारे (2056) । षट्तिला एकादशी व्रत ।
१२	बुध	3	--
१३	गुरु	4	--
१४	शुक्र	5	--
३०	शनि	6	दर्श अमावास्या, अन्वाधान । कंकणाकृति सूर्यग्रहण (भारत में नहीं दिखेगो सो पालनो नहीं है)

माघ शुक्ल पक्ष (गुज. महा सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 फरवरी-2027

तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर/वसंतऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	7	--
२	सोम	8	--
३	मंगल	9	--
४	बुध	10	पाटोत्सव श्री मुकुन्दरायजी, काशी।
५	गुरु	11	वसन्त पंचमी।
६	शुक्र	12	--
७	शनि	13	--
८	रवि	14	--
९	सोम	15	--
१०	मंगल	16	--
११	बुध	17	जया एकादशी व्रत।
१२	गुरु	18	वसन्त ऋतु आरंभ।
१३	शुक्र	19	श्री व्रजभूषणजी के उत्सव की बधाई (4 दिन)।
१४	शनि	20	पूर्णिमा क्षय तिथि। होरी डन्डा रोपण आज सायं 6:30 पश्चात्। शयनभोग धरके करनो। माघ स्नान समाप्ति। मांद्य चंद्रग्रहण (भारत में दिखेगो) (मांद्य होयवे सूं पालनो नहीं हैं।)

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (गुज. महा वद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 फरवरी-मार्च-2027

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंतऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	21	श्री गिरिधरलालजी के उत्सव की बधाई (4 दिन)
२	सोम	22	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (पक्षीवाले दादाजी) (1968)
३	मंगल	23	--
४	बुध	24	गादी उत्सव श्री गिरिधरलालजी महाराज (वचनामृतवाले) (1908)
५	गुरु	25	--
६	शुक्र	26	--
७	शनि	27	श्री श्रीनाथजी को पाटोत्सव, नाथद्वारा।
८	रवि	28	--
९	सोम	1	**मार्च।**
१०	मंगल	2	--
११	बुध	3	एकादशी की वृद्धि।
११	गुरु	4	विजया एकादशी व्रत।
१२	शुक्र	5	--
१३	शनि	6	महा शिवरात्रि।
१४	रवि	7	--
३०	सोम	8	दर्श-सोमवती अमावास्या, अन्वाधान।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष (गुज. फागण सुद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 **मार्च-2027**

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंतऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	9	--
२	बुध	10	--
३	गुरु	11	--
४	शुक्र	12	--
५	शनि	13	--
६	रवि	14	--
७	सोम	15	पाटोत्सव श्री मथुरेशजी-कोटा, जन्मदिन ति. गो. श्री इन्द्रदमनजी (राकेशकुमारजी), नाथद्वारा।
८	मंगल	16	नवमी को क्षय। होलकाष्टकारम्भ।
१०	बुध	17	--
११	गुरु	18	आमलकी एकादशी व्रत, कुंज एकादशी।
१२	शुक्र	19	--
१३	शनि	20	चौरासी स्तम्भ बगीचा, काँकरोली।
१४	रवि	21	होलिकोत्सव होली को श्रृंगार।
१५	सोम	22	होलिका प्रदीपन मंगल भोग धरके सूर्योदय (6:38) सूं पूर्व। होलिकाष्टक समाप्त। धूलि वंदन, धुरेण्डी। दोलोत्सव।

चैत्र कृष्ण पक्ष (गुज. फागण वद) संवत 2083

श्री वल्लभाब्द 549 मार्च-अप्रेल-2027

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	23	उत्सव श्री पीताम्बरजी (1639), श्री बालकृष्णजी के चतुर्थ लालजी। द्वितीया पाट।
२	बुध	24	--
३	गुरु	25	--
४	शुक्र	26	--
५	शनि	27	रंगपंचमी।
६	रवि	28	--
७	सोम	29	--
८	मंगल	30	--
९	बुध	31	गुप्त उत्सव।
१०	गुरु	1	**अप्रैल**। श्रीद्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (1951) श्री बालकृष्णलालजी कृत।
११	शुक्र	2	पापमोचनी एकादशी व्रत।
१२	शनि	3	--
१३	रवि	4	--
१४	सोम	5	--
३०	मंगल	6	दर्श अमावास्या। अन्वाधान व्रज वि. सं. 2083 एवं शालिवाहन शक 1948 समाप्त। वर्षे हर्षः प्रकर्षः स्यात्।

संवत् 2083 वर्ष भर की एकादशी (गुर्जर मास प्रमाण)

दिनांक	वार	तिथि	एकादशी
29-03-2026	रविवार	चैत्र सुद	कामदा एकादशी
13-04-2026	सोमवार	चैत्र वद	वरुथिनी एकादशी
27-04-2026	सोमवार	वैशाख सुद	मोहिनी एकादशी
13-05-2026	बुधवार	वैशाख वद	अपरा एकादशी
27-05-2026	बुधवार	अधि ज्ये. सुद	कमला एकादशी
11-06-2026	गुरुवार	अधि. ज्ये. वद	कमला एकादशी
25-06-2026	गुरुवार	निज ज्येष्ठ सुद	निर्जला एकादशी
12-07-2026	शनिवार	निज ज्येष्ठ वद	योगिनी एकादशी
25-07-2026	शनिवार	अषाढ सुद	देवशयनी एकादशी
09-08-2026	रविवार	अषाढ वद	कामिका एकादशी
24-08-2026	सोमवार	श्रावण सुद	पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी
07-09-2026	सोमवार	श्रावण वद	अजा एकादशी
22-09-2026	मंगलवार	भादरवा सुद	परिवर्तिनी (दान) एकादशी
06-10-2026	मंगलवार	भादरवा वद	इन्दिरा एकादशी
22-10-2026	गुरुवार	आसो सुद	पाशांकुशा एकादशी
05-11-2026	गुरुवार	आसो वद	रमा एकादशी
21-11-2026	शनिवार	कार्तक सुद	देव प्रबोधिनी एकादशी (तु.वि.)
04-12-2026	शुक्रवार	कार्तक वद	उत्पत्ति एकादशी
20-12-2026	रविवार	मागशर सुद	मोक्षदा एकादशी
03-01-2027	रविवार	मागशर वद	सफला एकादशी
19-01-2027	मंगलवार	पोष सुद	पुत्रदा एकादशी
02-02-2027	मंगलवार	पोष वद	षट्तिला एकादशी
17-02-2027	बुधवार	महा सुद	जया एकादशी
04-03-2027	गुरुवार	महा वद	विजया एकादशी
18-03-2027	गुरुवार	फागण सुद	आमलकी (कुंज) एकादशी
02-04-2027	शुक्रवार	फागण वद	पापमोचनी एकादशी

तृतीय गृह सेवा-प्रणाली अनुसार
विशिष्ट उत्सवों के सेवाक्रम का मार्गदर्शन (गुर्जर मास प्रमाण)

दिनांक	वार	तिथि	उत्सव एवं समय
27-03-26	शुक्र	चै. सुद-९	श्री रामनवमी व्रत - सुबह मंगला आरती पीछे श्री..को पंचामृत होय । जन्म को पंचामृत राजभोग समय में ।
13-04-26	सोम	चै. वद-११	महाप्रभु श्रीवल्लभाचार्यजी को उत्सव - तिलक राजभोग समय में ।
20-04-26	सोम	वै. सुद-३	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा - चन्दन को अधिवासन राजभोग आये बाद, चन्दन राजभोग दर्शनमें धरें ।
30-04-26	गुरु	वै. सुद-१४	नृसिंह जयन्ती - जन्म को पंचामृत शयन समय । शृंगार शयन दर्शन मंगल भये पाछे बड़े होय ।
28-06-26	रवि	जे. सुद-१४	ज्येष्ठाभिषेक, स्नानयात्रा - अभिषेक मंगला आरती पीछे ।
15-07-26	बुध	अ. सुद-१	रथयात्रा - राजभोग आरती भीतर होय पाछे रथमें बिराजे ।
30-07-26	गुरु	अ. वद-१	हिन्दौरा आरंभ - संध्या समय ।
24-08-26	सोम	श्रा. सुद-१२	पवित्रा एकादशी - पवित्रा शृंगार में धरावें ।
28-08-26	शुक्र	श्रा. सुद-१५	रक्षाबंधन - रक्षा शृंगार में धरे ।
31-08-26	सोम	श्रा. वद-३	हिन्दौरा विजय ।
04-09-26	शुक्र	श्रा. वद-८	जन्माष्टमी व्रत, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव - श्री..को पंचामृत मंगला आरती पीछे । शृंगार समय तिलक । जन्म को पंचामृत मध्य रात्रि समय ।
05-09-25	शनि	श्रा. वद-९	नन्द महोत्सव - पलना सूं विजय होय भीतर पधारे तो पाछे नवमी को सेवाक्रम प्रारंभ होय ।

22-09-26	मंगल	भा. सुद-११	वामन जयंति - जन्म को पंचामृत राजभोग समय ।
08-10-26	गुरु	भा. वद-१३	तृ. पु. श्री बालकृष्णलालजी को उत्सव - राजभोग समय श्री..को तिलक होय ।
20-10-26	मंगल	आसो सु-९	विजया दशमी, भोग संध्या में अंकुरार्पण होय
09-11-26	सोम	आसो वद-३०	अन्नकूटोत्सव, गोवर्धन पूजा - राजभोग आरती पाछे गोवर्धन पूजा करवे पधारे । ता पाछे अन्नकूट को क्रम होय ।
11-11-26	बुध	का. सुद-२	भाईदूज - राजभोग में सखड़ी को थाल साजकर श्री..को भीतर तिलक होय ।
21-11-26	शनि	का. सुद-१२	देवप्रबोधिनी (तुलसी विवाह) देवोत्थापन सायं भोग-संध्या में
01-01-27	शुक्र	माग. वद-९	श्री विठ्ठलनाथजी (गुसांईजीको उत्सव) - राजभोग समय श्री..कूं तिलक होय ।
11-02-27	गुरु	महा सुद-५	वसंत पंचमी - कलश को अधिवासन राजभोग आये पाछे । आज सूं दोलोत्सव पर्यंत राजभोग समय खेल होय ।
22-02-27	सोम	महा वद-२	श्री व्रजभूषणजी को उत्सव - शयन समय राल उड़े ।
27-02-27	शनि	महा वद-७	श्री श्रीनाथजी को पाटोत्सव-शयन समय राल उड़े ।
16-03-27	मंगल	फाग सुद-८	होलकाष्टकारम्भ - शयन समय राल उड़े ।
18-03-27	गुरु	फाग सुद-११	आमलकी कुंज एकादशी आज सूं होलिका प्रदीपन तांई शयन समय खेल होय । राल-गुलाल उडे ।
22-03-27	सोम	फाग सुद-१५	होलिकोत्सव - होलिका प्रदीपन प्रातः मंगल भोग धरके सूर्योदय सूं पूर्व । दोलोत्सव - राजभोग आरती भीतर होय । पाछे दोल में बिराजे ।

तृतीय गृह अंतर्गत वर्षभर मनाये जानेवाले उत्सव एवं जन्मदिनों की सूचि

दिनांक	वार	तिथि	उत्सव
24-03-26	मंगल	चैत्र सुद-६	श्री यमुनाजी को उत्सव
27-03-26	शुक्र	चैत्र सुद-९	श्री रामनवमी व्रत - उत्सव श्री व्रजभूषणजी श्री बालकृष्णजी के तृतीय लालजी **(डबरे का साज)** विशेष रुप से।
13-04-26	सोम	चैत्र वद-११	महाप्रभु श्रीवल्लभाचार्यजी को उत्सव
20-04-26	सोम	वैशाख सुद-३	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा
30-04-26	गुरु	वैशाख सुद-१४	नृसिंह जयन्ती - उत्सव श्री द्वारकेशजी श्री बालकृष्णलालजी के प्रथम लालजी **(डबरे का साज)** विशेष रुप से।
19-06-26	शुक्र	जेठ सुद-५	जन्मदिन गो. श्री पुरुषोत्तमजी (तृतीय गृहाधीश श्री वागीशकुमारजी महाराजश्री) **(कटोरे का साज)**
20-06-26	शनि	जेठ सुद-६	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी श्री बालकृष्णलालजी के षष्ठ लालजी। **(डबरे का साज)** विशेष रुप से।
24-06-26	बुध	जेठ सुद-१०	गंगा दशहरा, श्री यमुनाजी को उत्सव
28-06-26	रवि	जेठ सुद-१४	ज्येष्ठाभिषेक, स्नानयात्रा
15-07-26	बुध	अषाढ सुद-१	रथयात्रा
18-07-26	शनि	अषाढ सुद-५	श्रीद्वारकाधीश प्रभु का पाटोत्सव (कांकरोली)
29-07-26	बुध	अषाढ सुद-१५	व्यास पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा
30-07-26	गुरु	अषाढ वद-१	हिन्दौरा आरम्भ
12-08-26	बुध	अषाढ वद-३०	हरियाली अमावास्या
15-08-26	शनि	श्रावण सुद-३	ठकुरानी तीज
19-08-26	बुध	श्रावण सुद-७	उत्सव श्री द्वारकानाथजी। **(डबरे का साज)** विशेष रुप से।

24-08-26	सोम	श्रावण सुद-१२	पवित्रा एकादशी शृंगार में पवित्रा धरावें।
25-08-26	मंगल	श्रावण सुद-१३	पवित्रा बारस
28-08-26	शुक्र	श्रावण सुद-१५	रक्षाबंधन - रक्षा श्रृंगार समय में धरानी
31-08-26	सोम	श्रावण वद-३	हिन्दौरा विजय।
04-09-26	शुक्र	श्रावण वद-८	जन्माष्टमी व्रत, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव
05-09-26	शनि	श्रावण वद-९	नन्द महोत्सव
14-09-26	सोम	भादरवा सुद-३	गणेश चतुर्थी
19-09-26	शनि	भादरवा सुद-८	श्री राधाष्टमी उत्सव
22-09-26	मंगल	भादरवा सुद-११	उत्सव श्री व्रजालंकारजी श्री बालकृष्णलालजी के पंचम लालजी **(डबरे का साज)**, दान एकादशी।
		भादरवा सुद-१२	वामन जयंति
25-09-26	शुक्र	भादरवा सुद-१४	अनन्त चतुर्दशी
26-09-26	शनि	भादरवा सुद-१५	साँझी को प्रारंभ
11-10-26	रवि	आसो सुद-१	नवरात्रि प्रारम्भ
20-10-26	मंगल	आसो सुद-९	विजयादशमी (दशहरा)
25-10-26	रवि	आसो सुद-१४	शरदपूर्णिमा, रासोत्सव
05-11-26	गुरु	आसो वद-११	रमा एकादशी व्रत, गोवत्स द्वादशी
07-11-26	शनि	आसो वद-१३	धन त्रयोदशी (धन तेरस)
08-11-26	रवि	आसो वद-१४	रूप चतुर्दशी (काली चौदश), दीपावली, कानजगाई
09-11-26	सोम	आसो वद-३०	गोवर्धन पूजा, अन्नकूटोत्सव
10-11-26	मंगल	कारतक सुद-१	नूतनवर्षारंभ
11-11-26	बुध	कारतक सुद-२	यमद्वितीया, भाईदूज
17-11-26	मंगल	कारतक सुद-८	गोपाष्टमी
18-11-26	बुध	कारतक सुद-९	अक्षय नवमी, उत्सव श्री व्रजनाथजी श्री बालकृष्णलालजी के द्वितीय लालजी। **(डबरे का साज)** विशेष रुप से।

21-11-26	शनि	कारतक सुद-१२	देवप्रबोधिनी (तुलसी विवाह) देवोत्थापन सायं भोग संध्या में।
22-11-26	रवि	कारतक सुद-१३	जन्मदिन गो. चि. श्री विट्ठलनाथजी (कांकरोली राजकुमार चि. श्री सिद्धांतकुमारजी) **(कटोरे का साज)**
02-12-26	बुध	कारतक वद-९	जन्मदिन गो. चि. श्री व्रजभूषणजी (कांकरोली राजकुमार चि. श्री वेदांतकुमारजी) **(कटोरे का साज)**
01-01-27	शुक्र	मागशर वद-९	श्री विट्ठलनाथजी (श्री गुसांईजी) को उत्सव
18-01-27	सोम	पोष सुद-१०	उत्सव गो. श्री बालकृष्णलालजी महाराज (श्री व्रजेशकुमारजी) कांकरोली **(डबरे का साज)**
15-01-27	शुक्र	पोष सुद-७	मकर संक्रान्ति
11-02-27	गुरु	महा सुद-५	वसन्त पंचमी
20-02-27	शनि	महा सुद-१४	पूर्णिमा, होरी दन्डारोपण
22-02-27	सोम	महा वद - २	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१९६८) **(डबरे का साज)**
27-02-27	शनि	महा वद-७	श्रीनाथजी का पाटोत्सव, नाथद्वारा
06-03-27	शनि	महा वद-१३	शिवरात्रि
16-03-27	मंगल	फागण सुद-८	होलकाष्टकारम्भ
22-03-27	सोम	फागण सुद-१५	होलिकोत्सव (होलिका प्रदीपन प्रातः मंगल भोग धरके) दोलोत्सव (राजभोग आरती भीतर होय पाछे डोल में बिराजे)
23-03-27	मंगल	फागण वद-१	उत्सव श्री पीतांबरजी श्री बालकृष्णलालजी के चतुर्थ लालजी। **(डबरे का साज)** विशेष रुप से। द्वितीया पाट
27-03-27	शनि	फागण वद-५	रंगपंचमी

॥ श्री द्वारकेशो जयति ॥

मूल तृतीय गृह तिलकायत परंपरा

क्र.	नाम	प्राकट्य तिथि	प्राकट्य संवत्
१.	गो. श्री बालकृष्णलालजी	भाद्र. कृ. १३	१६०६
२.	गो. श्री द्वारकेशजी	वैशाख शु. १४	१६३०
३.	गो. श्री गिरिधरजी (प्रथम)	कार्तिक कृ. ८	१६६२
४.	गो. श्री व्रजभूषणजी (प्रथम)	श्रावण कृ. ९	१७००
५.	गो. श्री गिरिधरजी (द्वितीय)	आश्विन कृ. ५	१७४५
६.	गो. श्री व्रजभूषणजी (द्वितीय)	मार्गशीर्ष शु. २	१७६५
७.	गो. श्री विठ्ठलनाथजी	मार्गशीर्ष कृ. १४	१८११
८.	गो. श्री व्रजभूषणजी (तृतीय)	चैत्र शु. ८	१८३५
९.	गो. श्री पुरुषोत्तमजी	वैशाख शु. १	१८४७
१०.	गो. श्री गिरिधरलालजी (तृतीय)	भाद्र शु. २	१८९८
११.	गो. श्री बालकृष्णलालजी	आषाढ़ कृ. १३	१९२४
१२.	गो. श्री द्वारकेशलालजी	ज्येष्ठ कृ. ६	१९६४
१३.	गो. श्री व्रजभूषणलालजी (चतुर्थ)	माघ कृ. २	१९६८
१४.	गो. श्री व्रजेशकुमारजी	पौष शु. १०	१९९६
१५.	गो. श्री वागीशकुमारजी	ज्येष्ठ शु. ५	२०२२

।। श्रीशस्तवनम् ।।

(भुजंगप्रयातः छंद)

वपुर्धारिनीलं जगद्व्यापिलीलं, गवांगोष्ठपालं ब्रजे गोपबालम् ।
सुवेणोर्निनादं रणे शंखनादं, शरण्यस्य पादं भजेऽहं भजेऽहम् ।।१।।

वने गोपिकेशं व्रजे गोपवेशं, हि गोवर्द्धनेशं मनोहारिकेशम् ।
प्रियं गोकुलेशं मुदा विठ्ठलेशं, सुवृन्दावनेशं भजेऽहं भजेऽहम् ।।२।।

सुमुक्तादिमालं च दुष्टस्य कालं, स्वकीयस्य पालं सदानंदबालम् ।
शरच्चन्द्रमांगं च गव्यप्रियांगं, स्मरं मोहनांगं भजेऽहं भजेऽहम् ।।३।।

गदा शंख चक्रं करे दानमुद्रां सुकंठे मणिं चारुहासस्य मुद्राम् ।
महच्चक्रवर्त्तीश द्वारावतीशं मुदा राधिकेशं भजेऽहं भजेऽहम् ।।४।।

वनाख्यां च मालां दधानं नरेशं सुरेशादिवंद्यं स्वरूपं रसेशम् ।
सदारासरासेश्वरीमण्डलेशं निजानां विशेषं भजेऽहं भजेऽहम् ।।५।।

किरीटं धरन् चापि राजेन्द्ररूपं निजानां मनोमोहनं यस्य रूपम् ।
सदामोहनं सेवने दिव्यरूपं चतुर्बाहुरूपं भजेऽहं भजेऽहम् ।।६।।

निजानंद रूपे परब्रह्मपूर्णं मुदा मुक्तिदानाय भक्तेषु तूर्णम् ।
अहंकार विद्वेष युक्तेन सूर्णं स्वभक्तारि धूर्णं भजेऽहं भजेऽहम् ।।७।।

सदैव व्रजानन्द रूपं हि कृष्णं स्वभक्तायदृग्मोचराभाव तृष्णम् ।
निजानां हि कष्टे स्थितो यस्तु पृष्ठे मुदा द्वारकेशं भजेऽहं भजेऽहम् ।।८।।

इदं देवदेवस्य दिव्यस्तुतिं यः पठेच्छीघ्रमेव प्रपत्तिं लभेत्सः ।
कृपालुप्रभोर्द्वारकेशस्य भक्तिं लभेयुर्जनाः भावतो ये पठन्ति ।।९।।

।। इति श्रीमद् व्रजभूषणदेशिकेन्द्रात्मजेन व्रजेश्वरेण कृतं
श्रीशस्तवनं पूर्णतामगात् ।।

टिप्पणी

दिन का चोघडिया - लाभ अमृत चल एवं शुभ शुभ होते हैं।

रविवार	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग
सोमवार	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत
मंगलवार	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग
बुधवार	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ
गुरुवार	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ
शुक्रवार	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल
शनिवार	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल

रात का चोघडिया - काल रोग उद्वेग अशुभ होते हैं।

रविवार	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ
सोमवार	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल
मंगलवार	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल
बुधवार	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग
गुरुवार	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत
शुक्रवार	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग
शनिवार	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ

श्री गोकुलनाथजी के वचनामृत व्रज के मास सूं देखने । तीज–तेरस, चौथ–चौदस, पंचमी–पून्यो एक जानना, अमावस तजनी । वचनामृत में विश्वास राखि के प्रयाण करें तो मनोरथ सिद्ध होय ।

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	अ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.	महिना तिथिन के फल
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	बहोत सुख होय, कलेश नहीं, अर्थ पूर्ण होय
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	महाभारत होय, अशुभ, जीवनाश होय
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	अर्थ पूर्ण होय, मनोरथ सिद्ध होय, कामना पूर्ण होय
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	क्लेश – जीवनाश होय, कुशल सूं घर आवें नहीं
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	वस्तु लाभ होय, मित्र मिले, व्याधि मिटे
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	महा चिन्ता होय, वियोग होय, कदाचित् घर आवें
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	सौभाग्य, रत्न–सहित, भलि–भाँति सूं घर आवें
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	मिलनो न होय, बहुत बुरो होय, जीवनाश दुःख पावें
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	आशा पूर्ण होय, सौभाग्य पावें, कामना सिद्ध होय
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	सौभाग्य, दिन बहोत लगें, कुशल सूं घर आवें
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	क्लेश होय, जीवनाश नहीं, सौभाग्य पावें नहीं
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	मार्ग में सिद्धि मिले, मित्र मिले, विघ्न मिटे, धन को लाभ